सांध्य दैनिक 4PM

जब प्यार और नफरत दोनों ही न हो तो हर चीज साफ और स्पष्ट हो जाती है।
-ओशो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 8 • अंकः 210 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शुक्रवार, 9 सितम्बर, 2022

तो फिर होगी किसानों और सरकार... 2
सियासी दांवः अपने ही दे रहे... 3
बिहार में जनता का राज, समाज... 7

जौनपुर में विपक्ष पर बरसे सीएम योगी, कहा

पिछली सरकारों के भ्रष्टाचार ने प्रदेश को कर दिया था खोखला

अब कुर्क होगी भ्रष्टाचारियों की संपत्ति

- » खुद और अपने परिवार को पहुंचाया लाभ, गुंडों को दिया गया बढ़ावा
- » यूपी के लोगों को दिया गया धोखा, अब विकास की राह पर उत्तर प्रदेश
- » भाजपा सरकार में दंगा मुक्त और रोजगार देने वाला प्रदेश बना यूपी
- » 116 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जौनपुर में विपक्ष पर जमकर प्रहार किया। 258 करोड़ की 116 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा देकर प्रदेश को खोखला कर दिया था। भ्रष्टाचार पिछली सरकारों की जींस का हिस्सा था। वे अपने और अपने परिवार के लिए भ्रष्टाचार करते थे। हमने तय किया है कि भ्रष्टाचारी कोई भी होगा उसकी संपत्ति कुर्क कर उसे गरीबों के उपयोग में लाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने सूबे में जो भी विकास योजनाएं चलाईं उसमें सिर्फ अपने लोगों को लाभ दिया गया। उसका लाभ आम आदमी को नहीं मिला। वह खुद के फायदे के लिए गुंडों को बढ़ावा देती थीं। पहले यूपी के लोगों के साथ धोखा होता था। 2017 के पहले की सरकारों के भ्रष्टाचार के चलते योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पा रही थीं। सरकार केवल ठेकेदारों व परिवार के लोगों को लाभ देने का काम कर रही थी, जिसका परिणाम रहा कि उत्तर प्रदेश बिछड़ता गया। उन्होंने कहा कि विकास की योजनाओं का ईमानदारी से पालन का ही परिणाम है कि आज जौनपुर के साथ पूरा प्रदेश विकास की एक नई कहानी लिख रहा है। दंगा मुक्त होकर रोजगार देने वाला प्रदेश बन गया है। नौजवानों की प्रतिभा का ही परिणाम है कि प्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। यहां के लोगों को हर जगह सम्मान मिल रहा है। हमारी सरकार भ्रष्टाचार के खात्मे में लगी है। सरकार भ्रष्टाचार को खत्म कर विकास योजनाओं को धरातल पर ला रही है। भारत दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाने के लिए हम सभी को आगे आना होगा।

सीएम के काफिले के सामने आया सपा कार्यकर्ता, दिखाया काला कपड़ा

जौनपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ अपने जौनपुर दौरे पर आज पूर्वांचल विश्वविद्यालय पहुंचे। इस दौरान एक सपा कार्यकर्ता सीएम के काफिले के सामने आ गया और काला कपड़ा दिखाया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार उसका नाम आशीष है। कार्यकर्ता इस दौरान अखिलेश जिंदाबाद के नारे लगाता रहा। पुलिस जांच में जुट गई है और पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुस्तक का किया विमोचन

सीएम योगी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इसके अलावा उन्होंने उत्तर प्रदेश में स्वतंत्रता संग्राम नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। सीएम योगी ने कहा, जौनपुर नए उत्तर प्रदेश के नए भारत का जनपद है। विकास की सभी सुविधाएं जौनपुर को दी जाएंगी।

मुस्लिम समाज का दमन कर रही भाजपा : मायावती

- » गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के सर्वे पर भड़कीं बसपा प्रमुख
- » सरकार पर लगाया संकीर्ण राजनीति करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सर्वे के आदेश पर बसपा प्रमुख मायावती ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने सरकार पर मुस्लिमों के दमन का आरोप लगाया है।

बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट किया, मुस्लिम समाज के शोषित, उपेक्षित व दंगा-पीड़ित होने आदि की शिकायत कांग्रेस के जमाने में आम रही है, फिर भी भाजपा द्वारा 'तुष्टिकरण' के नाम पर संकीर्ण राजनीति करके सत्ता में आ जाने के बाद अब इनके दमन व आतंकित करने का खेल जारी है। उन्होंने कहा कि अब यूपी में मदरसों पर भाजपा सरकार की टेढ़ी नजर है। निजी मदरसों में हस्तक्षेप करना अनुचित है जबकि सरकारी अनुदान से चलने वाले मदरसों व सरकारी स्कूलों की बदतर हालत को सुधारने पर सरकार को ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ूंगा या नहीं, जल्द चल जाएगा पताः राहुल

मैं अपने स्टैंड पर कायम, भारत जोड़ो यात्रा भाजपा-संघ की विचारधारा के खिलाफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत जोड़ो पदयात्रा के तीसरे दिन राहुल गांधी ने एक बार फिर भाजपा और संघ पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और संघ की विचारधारा नफरत फैलाने वाली और हमारी ये यात्रा भाजपा और संघ की विचारधारा के खिलाफ है।

राहुल गांधी ने कहा, हमारे लिए ये यात्रा जनता से जुड़ने का है जो नुकसान भाजपा की विचारधारा ने जनता को पहुंचाया है, उसकी भरपाई के लिए हमने ये यात्रा शुरू की है। भाजपा और संघ की विचारधारा नफरत फैलाने वाली है। राहुल गांधी से जब अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मैं चुनाव लड़ूंगा या नहीं, जल्द चुनाव होने वाला है उसमें पता चल जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि आप संभावनाओं से इंकार नहीं कर रहे, इस पर उन्होंने कहा कि मैंने फैसला कर लिया है और मैं अपने स्टैंड पर कायम हूं। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस का सदस्य होने के नाते इस यात्रा में शामिल हूं। ये यात्रा भारत को जोड़ने के लिए है अगर इसका फायदा कांग्रेस को भी होता है तो ठीक है। उन्होंने कहा, भाजपा ने सभी संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। वे संस्थाओं पर दबाव डाल रहे हैं। आपको पता है कि वे कैसे काम कर रहे हैं। हम सिर्फ किसी राजनीतिक पार्टी से नहीं लड़ रहे हैं, हम सभी संस्थाओं से लड़ रहे हैं। मीडिया विपक्ष के साथ नहीं है। बहुत सारे लोग लड़ाई नहीं लड़ना चाहते, उन्हें लगता है कि भाजपा के साथ कहां फंसना?

तो फिर होगी किसानों और सरकार के बीच लड़ाई : सतपाल मलिक

» दुनिया के इतिहास में किसानों के आंदोलन से बड़ा कोई आंदोलन नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेघालय के राज्यपाल सतपाल मलिक ने बुलंदशहर में कहा कि सरकार ने किसानों की एमएसपी की बात नहीं मानी तो किसानों और सरकार के बीच फिर लड़ाई होगी और मैं राज्यपाल पद से सेवानिवृत्ति के बाद लड़ाई में कूद पड़ूंगा। अग्निपथ योजना पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा कि तीन साल के लिए कौन अपने सीने पर गोली खाएगा। किसान और जवान खुशहाल नहीं होंगे तो देश कैसे चलेगा।

वह औरंगाबाद के मुढ़ीबकापुर में आयोजित ग्राम दिवस समारोह में बोल रहे थे। ग्रामीणों को संबोधित करते उन्होंने कहा कि सिख डरते नहीं हैं, इतिहास गवाह है, वह आंदोलन के लिए अपने बच्चों की बलि तक चढ़ा देते हैं। सरकार ने सिखों को किसान आंदोलन में हल्के में लिया। महंगाई और बेरोजगारी से लोग परेशान हैं। दुनिया के इतिहास में किसानों के आंदोलन से बड़ा कोई आंदोलन नहीं है। एमएसपी पर कानून तो बन गया है लेकिन औद्योगिक समूह को फायदा पहुंचाने के लिए इसे लागू नहीं किया गया। इस दौरान उन्होंने

प्रधानमंत्री से इस्तीफा जेब में रखकर की मुलाकात

राज्यपाल ने कहा कि किसानों की पीड़ा देख प्रधानमंत्री से इस्तीफा जेब में रखकर मुलाकात की। उन्होंने कहा कि कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए सरकार ने पत्र मांगा। मुख्य सचिव ने अराजकता और हत्याएं होने की संभावनाएं जताई लेकिन हमने हथियार से नहीं तरकीब से काम लिया। विरोध करने वाले नेताओं पर पहरा बैठा दिया। कश्मीर में भ्रष्टाचार का भी तिलस्म तोड़ दिया जबकि आज वहां का माहौल खराब है। उन्होंने कहा कि बिहार में रहते हुए शिक्षा माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त करने का माडल भी पेश किया। बेटियों को शिक्षित करने पर जोर देते हुए उन्होंने गुर्जर बिरादरी की तारीफ की।

मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि एमएसपी लागू करने के लिए गठित कमेटी का चेयरमैन उसे ही बनाया है जिसने यह कानून बनाया था। यदि जल्द ही एमएसपी लागू नहीं किया गया तो किसान फिर से देश मे बड़ी लड़ाई लड़ने को तैयार हो जाएंगे। रिटायरमेंट के बाद भी मैं भी किसानों के लिए लड़ूंगा। देश में बेरोजगारी इतनी है कि पटवारी की पोस्ट के लिए पीएचडी डिग्री धारक तक आवेदन करते हैं। दिल्ली में यदि कोई जानवर मर जाता है तो कंडोलेंस हो जाती है जबकि किसान आंदोलन में कितनों ने जान गंवाई, सरकार ने सुध नहीं ली।

चुनावों में हार के कारण बहकी-बहकी बात करते हैं अखिलेश : केशव मौर्य

» बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने किया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को ऑफर देते हुए कहा था कि अगर उनके पास 100 विधायकों का समर्थन है और हिम्मत है तो आ जाएं, समाजवादी पार्टी उन्हें समर्थन देकर सीएम बना देगी। अखिलेश यादव के इस ऑफर के बाद भाजपा के नेता उन पर हमलावर हो गए। खुद केशव प्रसाद मौर्य ने भी जवाब दिया है। केशव मौर्य ने दूसरी बार पलटवार करते हुए कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादवजी पहले भाजपा के खिलाफ अपने 125 विधायकों को एक साथ एकत्रित कर लें। मैं जानता हूं कि चुनावों में लगातार पराजय से बिगड़े स्वास्थ्य के कारण आप बहकी बहकी बात करते हैं।

भाजपा 25 साल तक सत्ता में कार्यकर्ताओं के परिश्रम, जनता के आशीर्वाद और मोदी मॉडल पर काम से बनी रहेगी। केशव प्रसाद मौर्य के ट्वीट के जवाब में एक यूजर आईडी से लिखा गया कि ऐसे ज्ञान दे रहे हैं, जैसे खुद चुनाव जीतकर उपमुख्यमंत्री बने हैं। एक ने लिखा कि ये अखिलेश यादव वही नेता हैं जिन्होंने भरी विधानसभा में आपका मजाक उड़ाया था, तब सिर्फ योगीजी ने आपका साथ दिया था और आज ये आपको सीएम बनाने की बात कर रहे हैं। इधर यूपी भाजपा अध्यक्ष ने भी अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा था कि केशवजी संगठन के, पार्टी के प्रमाणित एवं भाजपा की विचारधारा के लिए समर्पित कार्यकर्ता हैं। वह सदैव हमारे साथ रहेंगे, किसी स्वार्थ में पड़ने वाले नेता नहीं है।

योजनाओं का लाभ देने के लिए आधार से जुड़ेगी परिवार कल्याण कार्ड योजना

» आधार प्रमाणीकरण से लोगों का जीवन बेहतर बना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार जल्द ही परिवार कल्याण कार्ड योजना की शुरुआत करने जा रही है। इस योजना को बेहतर तरीके से लागू करने में आधार प्रमाणीकरण का प्रयोग किया जाएगा। आने वाले दिनों में प्रदेश के हर खेत की यूनीक आईडी बनाई जाएगी और उसे भी आधार से जोड़ा जाएगा। 'आधार के उपयोग को सरल बनाने हेतु किए गए हालिया पहल' विषय पर गुरुवार को आयोजित राज्यस्तरीय कार्यशाला में यह जानकारी मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने दी।

उन्होंने कार्यशाला में मौजूद दो दर्जन से अधिक विभागों से योजनाओं का लाभ आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से लाभार्थियों तक पहुंचाने की सीख दी। इससे पहले भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण

(यूआईडीएआई), क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से गोमती नगर स्थित एक होटल में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र व यूआईडीएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सौरभ गर्ग ने किया। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि आधार की मदद से योजनाओं का लाभ लाभार्थी तक पहुंचाने के कारण प्रदेश सरकार को करीब 8400 करोड़ रुपए की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगभग सभी वयस्कों का आधार बन चुका है, लेकिन पांच वर्ष से कम और पांच से 18 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के आधार बनाने का काफी कार्य शेष है।

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने लिया स्वतः संज्ञान

सीएफओ लखनऊ से मांगा बिना फायर एनओसी वाली इमारतों का ब्यौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने लखनऊ के होटल लेवाना सुइट्स में अग्निकांड में चार लोगों की मौत के मामले पर बेहद गंभीर रुख अपनाया है। कोर्ट ने चीफ फायर आफिसर से लखनऊ की उन सभी इमारतों का ब्यौरा तलब किया है, जिनमें फायर की एनओसी नहीं है। माना जा रहा है रिपोर्ट मिलने के बाद हाई कोर्ट इस पर बड़ा एक्शन भी ले सकती है। लखनऊ के होटल लेवाना सुइट्स में अग्निकांड के मामले का कोर्ट ने स्वत- संज्ञान लिया और इसको जनहित याचिका के तौर पर दर्ज करने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष से भी उन सभी बिल्डिंग का ब्यौरा तलब किया है, जिनके पास

दमकल विभाग का परमिट नहीं है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच के जस्टिस राकेश श्रीवास्तव व जस्टिस बृजराज सिंह की बेंच ने होटल लेवाना सुइट्स होटल में आग लगने की घटना का स्वत- संज्ञान लेते हुए उसे जनहित याचिका के रूप में दर्ज करते हुए एलडीए के वीसी तथा चीफ फायर आफिसर से बिल्डिंगों का ब्यौरा तलब किया है। माना जा रहा है कि कोर्ट ब्यौरा मिलने के बाद उनका मिलान भी करा सकता है। कोर्ट एलडीए वीसी (लखनऊ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष) से शहर की उन सभी इमारतों का ब्यौरा तलब किया है, जिनके पास दमकल विभाग का परमिट नहीं है। साथ ही कोर्ट ने मुख्य अगिनशमन अधिकारी से भी उन सभी इमारतों का ब्यौरा तलब किया है, जिनमें आग लगने की स्थिति में बाहर निकलने के रास्ते और आग से बचाव के सभी आवश्यक उपकरण नहीं लगे हैं। कोर्ट ने इसके साथ ही अपने आदेश में छह सितंबर को हजरतगंज में ही ग्रेविटी क्लासेज नाम के कोचिंग संस्थान के भवन में आग लगने की घटना का भी जिक्र किया है।

कागजी पार्टी ने 125 कार्यकर्ताओं पर लुटा दिए 11 करोड़!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» जांच में जनराज्य पार्टी पूरी तरह कागजी पाई गई

» राजनीतिक भागीदारी के नहीं मिले कोई प्रमाण

लखनऊ। यूपी में कागजी पार्टी बनाकर धन उगाही और करोड़ों की हेराफेरी का खेल खुल गया है। कानपुर में जनराज्य पार्टी के तीनों परिसरों पर दूसरे दिन भी आयकर विभाग की छापेमारी जारी रही। अब तक की छानबीन में पार्टी के दस्तावेज बोगस मिले हैं। इस पार्टी की राजनीतिक सक्रियता शून्य है लेकिन 125 कार्यकर्ताओं पर ही पार्टी ने 11.5 करोड़ रुपये का खर्च दिखा दिया। गुरुवार को पार्टी के पूर्व मुख्य महासचिव ओमेंद्र सिंह के बयान भी आयकर विभाग ने दर्ज किए। आयकर विभाग की टीम रविशंकर के घर गई तो वहां पता चला कि वह प्रयागराज में हैं। कानपुर में जहां छापेमारी हुई, उसका पता ओमेंद्र सिंह का निकला। इसीलिए उन्हें पूछताछ के दायरे में लिया गया। इसके अलावा पार्टी एवं पार्टी के पदाधिकारियों के बैंक स्टेटमेंट लिए गए हैं। इसमें यह जांच की जाएगी कि किन-किन लोगों ने पार्टी फंड में और पदाधिकारियों के खातों में पैसा ट्रांसफर किया है। ऐसे सभी लोगों की जांच की जाएगी।

सियासी दांव : अपने ही दे रहे सुभासपा को झटका बागियों से मिलकर नया गुल खिला सकती भाजपा

» लोक सभा चुनाव से पहले पूर्वांचल में राजभर वोटों में सेंध लगाने की तैयारी

» पदाधिकारियों ने ताबड़तोड़ इस्तीफों ने बढ़ाई ओमप्रकाश राजभर की परेशानी

» सुभासपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के इस्तीफे से सकते में सुभासपा के पदाधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव से पहले ओम प्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा में बगावत हो गयी है। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र राजभर ने अपने कई साथियों के साथ इस्तीफा दे दिया है। नए सियासी हलचल पर भाजपा की नजरें बनी हुई हैं। माना जा रहा है कि भाजपा इन बागियों के साथ मिलकर पूर्वांचल में नयी सियासी बिसात बिछा सकती है ताकि राजभर वोटों को अपने पाले में किया जा सके।

विधान सभा चुनाव में सपा गठबंधन को मिली शिकस्त के बाद सहयोगी सुभासपा के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने न केवल सपा प्रमुख अखिलेश यादव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है बल्कि नए साथी की तलाश में भी जुटे हुए हैं। गठबंधन से हटने के बाद ओम प्रकाश राजभर को लोक सभा चुनाव से पहले सियासी साथी की जरूरत है ताकि वे अपनी पार्टी का कद और बढ़ा सकें। उनके इस प्रयासों के बीच खुद सुभासपा में बगावत के सुर तेज हो गए हैं। सुभासपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र राजभर ने ओमप्रकाश राजभर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वहीं ओमप्रकाश के साथ मिलकर दो दशक पहले सुभासपा बनाने वाले पदाधिकारियों में से भी कई ने त्यागपत्र दे दिया है। हालांकि महेंद्र के गंभीर आरोप के बावजूद ओमप्रकाश चुप हैं। सूत्रों के मुताबिक अंदरखाने डैमेज कंट्रोल यानी मान-मनौव्वल के प्रयास चल रहे हैं। महेंद्र राजभर सुभासपा के टॉप पांच नेताओं में शामिल थे। अचानक उनके बगावती तेवर से पार्टी में भूचाल आ गया है। सुभासपा के संस्थापकों में शामिल रहे महेंद्र ओमप्रकाश राजभर के काफी करीबी लोगों में रहे हैं। पार्टी में महेंद्र की अहमियत ओमप्रकाश के बाद दूसरे नंबर पर थी। वह पार्टी की रणनीति और नीति बनाने की प्रमुख भूमिका निभाते थे। 2017 के विधान सभा चुनाव में भाजपा गठबंधन में सुभासपा ने उन्हें मुख्तार के खिलाफ मऊ सदर से लड़ाया था, जिसमें महेंद्र को 89 हजार के करीब वोट मिले थे। वह मुख्तार से करीब 6 हजार मतों से पराजित हुए थे। पार्टी ने 2019 के लोक सभा चुनाव में भी उन्हें मऊ से प्रत्याशी बनाया था। सुभासपा में बगावत से यह प्रश्न भी खड़ा हो गया कि सुभासपा के ये बागी किसके साथ जाएंगे? सियासी रणनीतिकारों का कहना है कि विधान सभा चुनाव से पहले ओमप्रकाश के पास शांतिदूत भेजती रही भाजपा अब इस फूट का सहारा लेकर उन्हें समझौते की मेज पर कमजोर कर सकती है। ओमप्रकाश भाजपा के साथ नहीं आते हैं तो सुभासपा के बागियों का भाजपा के साथ जाना लगभग तय माना जा रहा है। महेंद्र और उनके साथियों ने ओमप्रकाश पर माफिया मुख्तार अंसारी से गहरे संबंधों का भी आरोप लगाया है। पार्टी से विधायक मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी को संरक्षण देने के भी आरोप लगाए हैं। इस अंदाज के साथ बागी नेता सपा के साथ जाने से रहे जबकि भाजपा के लिए यह मुफीद होगा। उन्हें साथ लेकर भाजपा लोक सभा चुनाव के लिए पूर्वांचल में पिछड़ी जातियों में अपने समीकरण मजबूत कर सपा के लिए चुनौतियां बढ़ा सकती है। वहीं, ओमप्रकाश राजभर के पास कांग्रेस के अतिरिक्त कोई मजबूत विकल्प फिलहाल नजर नहीं आ रहा है।

चार मंडलों में है प्रभाव

सुभासपा की पकड़ पूर्वांचल के वाराणसी, देवीपाटन, गोरखपुर और आजमगढ़ मंडल में है। बंसी, आरख, अर्कवंशी, खरवार, कश्यप, पाल, प्रजापति, बिंद, बंजारा, बारी, बियार, विश्वकर्मा, नाई और पासवान जैसी उपजातियों के मतदाताओं पर राजभर नेताओं का प्रभाव है। राजभर मतदाता लगभग 18 प्रतिशत जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग में इनकी भागीदारी करीब चार प्रतिशत है।

करीबी छोड़ रहे साथ

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया है। दो दिन पहले मऊ जिला मुख्यालय पर ओमप्रकाश के करीबी व पार्टी के वरिष्ठ नेता महेंद्र राजभर सहित कई कार्यकर्ताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। वहीं बुधवार को प्रदेश महासचिव अरविंद राजभर के साथ 45 कार्यकर्ताओं ने पार्टी जिलाध्यक्ष रामजीत राजभर को सामूहिक इस्तीफा सौंप दिया। महेंद्र समेत अन्य पदाधिकारियों के अचानक पार्टी छोड़ने की घोषणा से सुभासपा अध्यक्ष समेत अन्य नेता सकते में हैं।

लगाए गंभीर आरोप

इस्तीफा देने वाले पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने ओम प्रकाश राजभर पर आरोप लगाया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौका देख पार्टी को बेचने का काम कर रहे हैं। पदाधिकारियों से कोई राय नहीं ली जा रही है। जब मन में आया तो मौका देख गठबंधन कर लिया। घर के लोगों को बढ़ावा दिया जा रहा। पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर धनवानों को टिकट दिया जा रहा है। सभी ने कहा कि खून पसीना बहाकर शोषित, दलित, असहायों के लिए कार्यकर्ताओं ने मिलकर पार्टी खड़ी की, लेकिन ओमप्रकाश राजभर ने इसे बेच दिया। इस्तीफा देने वालों में लल्लन राजभर, कमलेश राजभर, राजेश, शिवबचन, मुन्ना राजभर, सोनू, अरविंद, चंद्रशेखर आदि शामिल हैं।

बढ़ती वेटिंग लिस्ट से न हों परेशान

दशहरा व दीपावली त्योहार दूर, बढ़ती वेटिंग लिस्ट बनी सिरदर्द

» दीपावली पर लखनऊ से इन शहरों के लिए रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेनें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इस दीपावली पर ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए रेलवे लखनऊ से दिल्ली, मुंबई सहित कई शहरों के लिए फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चला सकता है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन की ओर से रेलवे बोर्ड को स्लीपर और एसी बोगियों वाली स्पेशल ट्रेनें भेजने का प्रस्ताव भेजा है। कोरोना के कारण पिछले साल दीपावली पर रेलवे की स्पेशल ट्रेनों की संख्या में बहुत कमी आ गई थी।

इस बार होली पर भी लखनऊ से दिल्ली के लिए कोई स्पेशल ट्रेन नहीं चली जबकि अगले महीने 24 अक्टूबर को दीपावली पर लखनऊ आने वाले यात्रियों की संख्या के कारण वेटिंग लिस्ट लखनऊ मेल, एसी एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस और एसी डबल डेकर सहित सभी ट्रेनों में तेजी से बढ़ रही है। लखनऊ मेल और एसी एक्सप्रेस में तो वेटिंग लिस्ट के टिकट मिलना ही बंद हो गए हैं। ऐसे में उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन की ओर से एक वेटिंग लिस्ट मानीटरिंग सेल का गठन किया गया है। प्रतिदिन 22 से 26 अक्टूबर तक की ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट की रिपोर्ट तैयार हो रही है। इससे रेलवे आने वाले दिनों में बढ़ने वाली वेटिंग लिस्ट का अनुमान लगाएगा। वेटिंग लिस्ट के यात्रियों को कंफर्म बर्थ देने के लिए रेलवे ने लखनऊ से दिल्ली के लिए दो स्पेशल ट्रेनें चलाने का प्रस्ताव बनाकर रेलवे बोर्ड को भेजा है। इसके अलावा लखनऊ से मुंबई, हावड़ा, अहमदाबाद के लिए भी एक-एक स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी है। रेलवे बोर्ड में इस प्रस्ताव पर मंथन के बाद अगले एक सप्ताह में आदेश भी जारी करने की तैयारी है। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक जोन में खाली पड़ी बोगियों की रिपोर्ट तैयार हो रही है। इसी आधार पर रैक की उपलब्धता होते ही स्पेशल ट्रेनें एनाउंस कर दी जाएगी। इन ट्रेनों का एडवांस रिजर्वेशन भी शुरू हो जाएगा।

लखनऊ जंक्शन से हुई आधार केंद्र की शुरुआत, यूपी के सभी स्टेशनों पर जल्द खुलेंगे

लखनऊ में चारबाग रेलवे स्टेशन पर पहला आधार सेवा केंद्र खोला गया है। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, क्षेत्रीय कार्यालय ने मिलकर लखनऊ जंक्शन स्टेशन परिसर में आधार केंद्र की शुरुआत की है।

मंडल रेल प्रबन्धक डॉ मोनिका अग्निहोत्री और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के उपमहानिदेशक प्रशांत कुमार सिंह (भारतीय रेलवे यात्रिक सेवा) ने इसका शुभारंभ किया। मंडल रेल प्रबंधक डॉ. मोनिका अग्निहोत्री ने बताया कि यह आधार केंद्र सप्ताह के सातों दिन, रेल यात्रियों और आम जनता के लिए खुला रहेगा। यहां लोग अपना आधार नामांकन और अपडेट आसानी से करा सकते हैं। रेलवे स्टेशन पर शुरू होने वाला यह आधार केंद्र, उत्तर प्रदेश राज्य का पहला केंद्र होगा। आधार से जुड़े काम के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा पूर्वोत्तर रेलवे को रजिस्ट्रार नामित किया गया है। आधार नामांकन और अपडेट रेलवे के कर्मचारियों द्वारा ही किया जाएगा।

11 से 17 तक लखनऊ नहीं आएगी बाघ एक्सप्रेस

रेलवे ने 11 से 17 तक बाघ एक्सप्रेस को निरस्त कर दिया है। हावड़ा रेल मंडल के शक्तिगढ़, पालसित और रसूलपुर स्टेशनों पर तीसरी लाइन बिछाने के लिए रेलवे नान इंटर लाकिंग करने जा रहा है। इस कारण ट्रेन 13019 बाघ एक्सप्रेस 10 से 16 सितंबर तक हावड़ा से निरस्त रहेगी। यह ट्रेन 11 से 17 सितंबर तक लखनऊ नहीं आएगी जबकि वापसी में ट्रेन 13020 बाघ एक्सप्रेस काठगोदाम से 12 से 18 सितंबर तक निरस्त रहेगी। यह ट्रेन 13 से 19 सितंबर तक लखनऊ नहीं आएगी। इसी तरह मुजफ्फरपुर-सगौली डबलिंग के कारण कई ट्रेनें प्रभावित होंगी। रेलवे 11 से 13 सितंबर तक आनंद विहार-मुजफ्फरपुर सप्तक्रांति एक्सप्रेस को सगौली-रक्सौल-सीतामढ़ी के रास्ते चलाएगा जबकि मुजफ्फरपुर-आनंद विहार सप्तक्रांति एक्सप्रेस 12 से 14 सितंबर तक इसी रास्ते से चलेगी। ट्रेन 19038 अवध एक्सप्रेस 12 से 14 सितंबर तक और बांद्रा बरौनी अवध एक्सप्रेस 11 से 12 सितबर तक इस मार्ग से चलेगी। दिल्ली कटिहार चंपारण हमसफर एक्सप्रेस 13 सितंबर को गोरखपुर-छपरा-हाजीपुर होकर चलेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सीमा पर चीन से तनाव कम होने के निहितार्थ

भारत-चीन के बीच 16वें दौर की बातचीत के बाद दोनों देशों की सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख के गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स क्षेत्र (पीपी 15) में पीछे हटना शुरू कर दिया है। यह प्रक्रिया ऐसे समय शुरू की गयी है जब उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन का वार्षिक शिखर सम्मेलन होने वाला है। इस सम्मेलन में पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल होंगे। यहां दोनों राष्ट्राध्यक्षों की अलग से बैठक भी हो सकती है। सवाल यह है कि चीन ने पूर्वी लद्दाख सीमा से अपने सैनिकों के जमावड़े को लेकर अपना अड़ियल रवैया क्यों छोड़ा? क्या सेना को हटाने के पीछे उसकी कोई चाल तो नहीं है? क्या चीन, भारत के साथ संबंधों को सामान्य करना चाहता है? क्या ताइवान से चल रहे तनाव को देखते हुए चीन ने भारतीय मोर्चे पर सैनिक हटाने की रणनीति अपनायी है? क्या शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के पहले चीन सैनिकों को हटाकर दुनिया के सामने अपने शांति के पैरोकार की छवि दिखाना चाहता है?

भारत और चीन के रिश्ते कभी भी मधुर नहीं रहे। दो साल पहले लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच हुई खूनी झड़प से दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया। दोनों देशों की सेनाए आमने-सामने खड़ी हो गयीं। चीन ने सीमा पर न केवल निर्माण कार्य जारी रखे बल्कि आधुनिक सैन्य साजो-सामान भी तैनात किए। भारतीय सेना भी पूरी तैयारी के साथ वहां तैनात हो गयी। हालांकि इस दौरान दोनों देशों के बीच कमांडर स्तर की वार्ता भी होती रही है। आखिरकार पूर्वी लद्दाख के विवादित इलाके से दोनों देशों की सेनाओं ने पीछे हटना शुरू कर दिया है। चीन की यह नरमी अचानक नहीं उत्पन्न हुई है। ताइवान को लेकर अमेरिका से उसका तनाव चरम पर है। अमेरिका ने ताइवान में अपने जंगी जहाज उतार दिए हैं। अमेरिका लगातार चीन को युद्ध की धमकी दे रहा है। भारत भी ताइवान को लेकर कूटनीति भाषा में सधी टिप्पणी कर चुका है। ऐसे में चीन नहीं चाहता है कि ताइवान के मुद्दे पर भारत अमेरिका के पाले में खड़ा हो जाए। वहीं चीन में लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है। इसको लेकर पिछले दिनों लोगों ने सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन भी किया था। वैश्विक स्तर पर कोरोना और उइगर मुस्लिमों के खिलाफ किए जा रहे अत्याचारों के कारण चीन की छवि खराब हुई है। लिहाजा वह भारत के साथ तनाव को कम करना चाहता है। बावजूद इसके चीन ने भारत को कई बार धोखा दिया है ऐसे में उससे सतर्क रहने की जरूरत है और भारत को एलएसी पर अपने सैन्य स्थिति को मजबूत बनाए रखना होगा ताकि किसी भी अचानक हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके।

चीन की यह नरमी अचानक नहीं उत्पन्न हुई है। ताइवान को लेकर अमेरिका से उसका तनाव चरम पर है। अमेरिका ने ताइवान में अपने जंगी जहाज उतार दिए हैं। अमेरिका लगातार चीन को युद्ध की धमकी दे रहा है। भारत भी ताइवान को लेकर कूटनीति भाषा में सधी टिप्पणी कर चुका है। ऐसे में चीन नहीं चाहता है कि ताइवान के मुद्दे पर भारत अमेरिका के पाले में खड़ा हो जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अर्थव्यवस्था में आशा के संकेत

अजीत रानाडे

2021 की अंतिम तिमाही के आंकड़ों के हिसाब (डॉलर में) से भारतीय अर्थव्यवस्था ने ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ दिया है। इस गणना में भारतीय मुद्रा रुपया और ब्रिटिश मुद्रा पाउंड तथा अमेरिकी मुद्रा डॉलर के वर्तमान विनिमय दर को आधार बनाया गया है। जीडीपी के आंकड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के हैं। इस गणना से भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इससे पहले अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी हैं।

मुद्रा कोष के आंकड़े के हिसाब से भारत की जीडीपी 3.2 ट्रिलियन डॉलर है। यदि इसकी विकास दर सालाना सात फीसदी रही और जर्मनी की अर्थव्यवस्था में ठहराव रहा तो भारत चार सालों में जर्मनी को पीछे छोड़ सकता है। अभी जर्मनी की जीडीपी 4.2 ट्रिलियन डॉलर है। यदि दर 5.5 फीसदी रही तो पांच साल लगेंगे। अगर हम यह भी मान लें कि जर्मन अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर शून्य रहेगी तब भी इसमें एक पेंच है। यह पेंच मुद्रा विनिमय दर है। अगर यूरो की तुलना में डॉलर के सामने रुपये का मूल्य अधिक गिरता है तो जर्मनी की मुद्रा यूरो से आगे निकलना मुश्किल होगा। जीडीपी वृद्धि पर मुद्रा मूल्य में कमी पानी फेर सकती है. अगर डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत होगा, तो डॉलर में गणना करने पर अर्थव्यवस्था मजबूत दिखेगी लेकिन मजबूत मुद्रा नुकसान भी कर सकती है क्योंकि इसका असर निर्यात पर होगा। अंतरराष्ट्रीय तुलना के लिए विनिमय दरों के उपयोग की संवेदनशीलता को देखते हुए विश्व बैंक ने एक अलग तरीका निकाला है, जिसे क्रय शक्ति समता (पर्चेजिंग पॉवर पैरिटी) कहा जाता है। इसमें मुद्राओं की वास्तविक क्रय शक्ति का संज्ञान लिया जाता है। एक डॉलर का मूल्य 80 रुपया होने के आंकड़े से रुपया बहुत कमजोर दिखता है लेकिन अमेरिका में एक डॉलर में जितनी खरीद हो सकती है, उससे बहुत अधिक खरीद एक डॉलर में भारत में की जा सकती है। इस आधार पर गणना करने पर भारत की जीडीपी दुनिया में तीसरे स्थान पर आ जाती है और वह इस पायदान पर कम से कम पांच सालों से है और चीन की अर्थव्यवस्था पहले से ही अमेरिका से बड़ी हो चुकी है। अपनी तीव्र वृद्धि दर और बड़ी जनसंख्या के कारण 21वीं सदी की आर्थिक तस्वीर पर दो एशियाई शक्तियों का वर्चस्व रहेगा इसीलिए यह अचरज की बात नहीं है कि विश्व के निवेशक इन दो बड़ी उपभोक्ता अर्थव्यवस्थाओं की ओर देख रहे हैं, बहरहाल, भारत का स्थान पांचवा हो

या तीसरा या कितनी जल्दी इसकी अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डॉलर होगी, यह बहुत दिलचस्प नहीं है क्योंकि ऐसा तो होना ही है। महामारी के दौर को छोड़कर बीते 40 सालों में रियल टर्म में औसत वृद्धि दर सात प्रतिशत रही है तथा 1980 से कभी भी संकुचन नहीं हुआ है। अहम सवाल यह है कि अर्थव्यवस्था कैसी चल रही है। इसका अर्थ है अल्पकालिक अवधि को देखना तथा उत्पादन विस्तार, रोजगार सृजन, मुद्रास्फीति नियंत्रण और वित्तीय एवं व्यापार घाटे के संतुलन की संभावनाओं का परीक्षण करना।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने बताया कि अप्रैल से जून के बीच भारत की जीडीपी 36.85 लाख करोड़ रही थी। यह रियल जीडीपी है और इसमें मुद्रास्फीति का असर शामिल नहीं है। यह आंकड़ा पिछले साल इसी तिमाही से 13.5 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल कोरोना की दूसरी लहर का सामना करना पड़ा था। कारोबार में मंदी थी। इस तरह से यह दर ठीक है। वहीं अप्रैल-जून, 2019 में जीडीपी का आंकड़ा 35.67 लाख करोड़ था। यानी तिमाही जीडीपी केवल 3.3 प्रतिशत बढ़ी है यानी हर साल 1.1 फीसदी से भी कम। वर्तमान आंकड़ों के विश्लेषण का दूसरा तरीका गति को देखना है, यानी जीडीपी की वृद्धि तिमाही-दर-तिमाही क्या रही है। बार्कलेज रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी-मार्च से अप्रैल-जून तक जीडीपी 3.3 प्रतिशत संकुचित हुई यानी वृद्धि ऋणात्मक रही। फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था होगी। भारत वैश्विक हलचलों से प्रभावित है। भारतीय रिजर्व बैंक भी चिंतित है कि भारत उच्च मुद्रास्फीति और कमजोर अर्थव्यवस्था के दौर में प्रवेश कर रहा है।

दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का आकलन यह है कि अभी यह गति धीमी है क्योंकि वृद्धि के कारकों में बढ़ोतरी निवेश भावनाओं के साथ होनी है। आशा के कुछ संकेत भी हैं, जैसे- वस्तु एवं सेवा कर में लगातार उच्च संग्रहण (चार माह से 1.4 लाख करोड़ से अधिक) तथा मई व जून में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में दो अंकों की वृद्धि। अगस्त में बैंक क्रेडिट में वृद्धि 11 सालों के उच्चतम स्तर पर है और इसकी गति बैंक जमा से अधिक है। इसमें आवास और खुदरा कर्ज भी शामिल हैं। इस प्रकार मध्य अवधि में हमेशा सतर्क आशावाद की स्थिति है।

समय के सवालों से संवाद भी करें शिक्षक

अविजीत पाठक

अभी-अभी शिक्षक दिवस मनाया गया, शिक्षकों को हर बार की तरह गद्गद करने वाले पवित्र शब्दों से नवाजा गया। परंपरागत मंत्र पढ़ने की तरह। बतौर एक अध्यापक मुझे खुद भी अच्छा लगता है जब छात्र इस दिन बढ़िया संदेश भेजकर अपना सम्मान प्रकट करते हैं। फिर भी परेशान करने वाले दो सवाल सालते हैं। प्रथम, अध्यापक होने के नाते क्या हम सच में अपने पेशे की मूल भावना के प्रति प्रतिबद्ध हैं? दूसरा, क्या अधिकांश समाज को वास्तव में शिक्षक बिरादरी की परवाह है? ईमानदारी से खुद को आईने में देखकर और सामाजिक संदर्भों के साथ हमें इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत है। शुरुआत के लिए, अध्यापक की रिवायती और ढर्रे की उस परिभाषा से परे जाने की जरूरत है यानी वह जो बतौर अध्यापक, आधिकारिक रूप से प्रमाणित डिग्रियां और सर्टिफिकेट पाने के क्रम में तयशुदा पाठ्यक्रम पढ़ाए, छात्रों को अनुशासित करे, परीक्षाएं करवाए और उत्तर पत्रिका पर अंक देता हो।

हम में से कितने लोग वास्तव में यह अहसास करने को इच्छुक हैं कि यह एक संकीर्ण और बंधी-बंधाई धारणा है क्योंकि अध्यापक को तो यायावर होना चाहिए जो अपने छात्रों का सह-यात्री बन उन्हें विज्ञान, कविता, इतिहास, साहित्य, कृषि और जीवनोपयोगी कलाएं जैसे बढ़ईगीरी आदि का बोध करवाए, सबसे ऊपर, जीवन और मृत्यु की लय सिखाए। महान शिक्षाविद् जैसे कि रविन्द्रनाथ टैगोर या कृष्णमूर्ति या जॉन ड्यूई और पाओलो फ्रैरे के बारे में सोचें। इन्होंने पढ़ाने की कला में नाना विकल्पों को देखा। उन्होंने महसूस किया कि एक शिक्षक विद्यार्थी की सीखने की इच्छा को सहानुभूति और संवाद से बलवती कर सकता है। एक गुरु अपने शिष्य के अंदर प्यार और परवाह करने की नैतिकता रोप सकता है, एक ऐसा अध्यापक जो अपने छात्रों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता जगा दे। हालांकि, इस अति-प्रतिस्पर्धा भरे युग में, जहां पर विद्यालयों का मूल्यांकन वहां से टॉप करने वालों की सफलता गाथाओं से होता हो, लगता है पढ़ाने-सीखने को किताबों में लिखे जड़ शब्दों और परीक्षाएं आयोजित करने के चलन के सिवा कुछ बाकी नहीं रहा। कोई हैरानी नहीं कि शिक्षक और छात्रों को महज 'परीक्षा-वीर' की तरह तैयार करने वाले रणनीतिकार बने कोचिंग सेंटरों के बीच भेद नहीं रहा। इस तरह हम उस समाज में रह रहे हैं जो शिक्षण के पेशे पर सही अर्थ में उत्सव मनाने को तैयार नहीं है क्योंकि जब तार्किकता और नव-उदारवाद ने शिक्षा की दिशा-दशा को आकार देना शुरू किया तब एक अध्यापक से अपने 'ज्ञान' को 'तकनीकी कौशल' पैकेज में रूपांतरित करने को कहा गया, शिक्षा महज 'प्रशिक्षण' बनकर रह गई और विद्यार्थियों का रूपांतर बतौर एक 'स्रोत' हुआ, जिसको बाजारवाद के खेल में गोटियां बनाकर फिट किया जा सके। यह महत्ती शिक्षा-शास्त्र की मौत है, यह शिक्षक की आत्मा मारने के समान है और यह सावधानीपूर्वक बनाए गए निगरानी तंत्र से उसकी हर गतिविधि पर नजर रखने जैसा है, उसकी उपयोगिता बाजारवादी अवयवों के मुताबिक और शिक्षण परिसर में नौकरी देने वाली कंपनियों को लाने की योग्यता के हिसाब से आंकी जाती है।

इससे आगे, जब चरम-राष्ट्रवादिता अपने दिखावटी प्रतीकों से सामान्य बात बन जाए और कक्षा में ऐसे विषयों पर व्याख्यान देने की होड़ लग जाए, तब उद्धारक-शिक्षा की गुंजाइश कहां बचती है? वह शिक्षा जो विद्यार्थी के कल्पना क्षितिज को विस्तार दे, उसे दुनिया को एक-समान भाव से अंगीकार करने, युद्ध के औचित्य पर सवाल उठाने, सैन्यीकरण और जाति-पाति-धर्म-वर्गीय हिंसा की राजनीति पर सवाल उठाने के काबिल बनाए, फिर चाहे यह कवायद राष्ट्र के प्रचलित नाम के अनुरूप बनाने की क्यों न हो। असल में, जैसा कि हम पहले ही देख चुके हैं, चरम-राष्ट्रवाद के खिलाड़ी हर उस शिक्षक से नफरत करते हैं जो युवा मस्तिष्कों को यह सोचने के लिए उत्साहित करे कि क्योंकर रविन्द्रनाथ टैगोर हमें जुझारू राष्ट्रवादी-राजनीति के हिंसात्मक नतीजों को लेकर चेताते थे या विभाजन की चोट के बाद भी मोहनदास कर्मचंद गांधी ने हमारे जख्मों को अपनी सौम्य प्रार्थनाओं, सत्याग्रहों और अंतर-संप्रदाय संवाद से भरने की कोशिश की थी।

और हां, इस किस्म के समाज में, जहां महत्वाकांक्षा पालने वाला वर्ग शिक्षण व्यवसाय के बारे में जरा सोचने में सचमुच इच्छुक नहीं है क्योंकि वह सत्ता और पैसे की चकाचौंध से लगातार सम्मोहित हुआ जा रहा है, वहां पर अध्यापन की क्रांतिकारी क्षमता पर गौर भूले-भटके ही होता है। एक प्रतिबद्ध शिक्षक, जो बच्चे और तरुण की आंखें खोलता हो या फिर चुपचाप रहकर अपना काम करते हुए ज्ञान की नई सीमाओं की खोज करने वाला कोई एक यूनिवर्सिटी प्रोफेसर हो इनका जीवन और वर्णन उक्त समाज को ज्यादा नहीं लुभाता। तभी कोई हैरानी नहीं कि बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते है, उन्हें अध्यापक बनने के लिए शायद ही प्रोत्साहित किया जाता हो क्योंकि आधुनिक भारत में उन्हें एक व्यापारी, ठेकेदार, तकनीकी माहिर, नौकरशाह, क्रिकेटर और लाखों दर्शक रखने वाले यू ट्यूब ब्लॉगर बनकर नायक सरीखी प्रसिद्धि पाने को प्रेरित किया जाता है, ऐसे में वे अध्यापक-अध्यापन की जहमत क्यों मोल लें?

पितृ पक्ष

पितरों को ऐसे करें प्रसन्न

जल्द ही पितृ पक्ष शुरू होने वाला है। हिंदू धर्म के अनुसार ये 15 दिन पितृ यानी पुरखों के लिए समर्पित हैं। इन दिनों में लोग अपने पूर्वजों के लिए तर्पण और पिंड दान करते हैं। अपने पूर्वजों का आशीर्वाद लेते हैं और साथ ही उनकी मुक्ति की कामना करते हैं। हर वर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि से आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक पितृ पक्ष मनाया जाता है। यह कुल 16 दिनों की अवधि होती है। इस साल पितृ पक्ष 10 सितंबर से प्रारंभ हो रहा है जो 25 सितंबर को समाप्त होगा। जानिए किस तिथि पर होगा किन पितृों का पिंड दान...

इस मंत्र के साथ पितरों को दें जल

जल देते समय ध्यान करें और वसु रूप में मेरे पिता जल ग्रहण करके तृप्त हों। इसके बाद जल जल दें। साथ ही अपने गोत्र का नाम लेकर बोलें, गोत्रे अस्मत्पितामह (पितामह का नाम) वसुरूपत् तृप्यतमिदं तिलोदकम गंगा जलं वा तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः। इस मंत्र से पितामह को भी 3 बार जल दें।

पिंडों पर ऐसे दी जाती है जलांजलि

श्राद्ध करते समय पितरों का तर्पण भी किया जाता है यानी पिंडों पर अंगूठे के माध्यम से जलांजलि दी जाती है। मान्यता है कि अंगूठे से पितरों को जल देने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार हथेली के जिस हिस्से पर अंगूठा होता है, वह हिस्सा पितृ तीर्थ कहलाता है।

कैसे करें तर्पण

तर्पण की सामग्री लेकर दक्षिण की ओर मुख करके बैठना चाहिए। इसके बाद हाथों में जल, कुशा, अक्षत, पुष्प और काले तिल लेकर दोनों हाथ जोड़कर पितरों का ध्यान करते हुए उन्हें आमंत्रित करें और जल को ग्रहण करने की प्रार्थना करें। इसके बाद जल को पृथ्वी पर 5-7 या 11 बार अंजलि से गिराएं।

जल कितने बजे देना चाहिए?

पितरों को जल देने का समय प्रातः 11:30 से 12:30 के बीच का होता है। पितरों को जल चढ़ाते समय कांसे का लोटा या तांबे के लोटे का प्रयोग करें।

रखें संयम

पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता और वे सभी बुजुर्ग भी शामिल माने गए हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने और उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में मन कर्म और वाणी से संयम रखना चाहिए।

हंसना मना है

मास्टर जी- जो बेवकूफ है वो खड़ा हो जाए
रमेश खड़ा हो गया मास्टर जी- तुम बेवकूफ हो? रमेश- नहीं मास्टर जी आप अकेले खड़े थे मुझे अच्छा नहीं लगा।

गणित के मास्टर एक होटल में खाली कटोरी में रोटी डुबो-डुबो कर खा रहे थे। पप्पू ने पूछा- मास्टर जी खाली कटोरी में कैसे खा रहे हैं? मास्टर- भईया हम गणित के अध्यापक हैं। दाल हमने मान ली है।

क्लास में मास्टर जी ने बच्चों से पूछा- बताओ, कांटों भरे रास्ते पर आपका साथ कौन देगा? पति, पत्नी, मां-बाप, प्रेमी, प्रेमिका या दोस्त? पप्पू खड़े होकर बोला- सर चप्पल! फिर मास्टर जी ने चप्पल से की पप्पू की पिटाई।

अध्यापक- भाईचारा शब्द का प्रयोग करते हुए कोई वाक्य बनाओ...? चिंटू- मैंने दूध वाले से पूछा, तुम दूध इतना महंगा क्यों बेचते हो...? तो वह बोला भाई चारा महंगा हो गया है, इसलिए...! दे थप्प? दे थप्पड़...!

आधी रात को सोनू शराब पीकर सड़क पर जा रहा था, एक पुलिस वाले ने रोक कर पूछा कहां जा रहे हो? पप्पू - दारू पीने से होने वाले नुकसान पर प्रवचन सुनने, पुलिस वाला - इतनी रात को क्या तुम्हारे पिताजी प्रवचन देंगे? पप्पू - नहीं, साहब बीवी देगी...

कहानी | मनहूस पेड़

वर्षों की मेहनत के बाद एक किसान ने एक सुन्दर बागीचा बनाया। बगीचे के बीचो-बीच एक बड़ा सा पेड़ था जिसकी छाँव में बैठकर सुकून का अनुभव होता था। एक दिन किसान का पड़ोसी आया, बागीचा देखते ही उसने कहा, वाह! बागीचा तो बहुत सुन्दर है, पर तुमने बीच में ये मनहूस पेड़ क्यों लगा रखा है? क्या मतलब?, किसान ने पूछा। अरे क्या तुम नहीं जानते, इस प्रजाति के पेड़ मनहूस माने जाते हैं, ये जहाँ होते हैं, वहां अपने साथ दुर्भाग्य लाते हैं। इस पेड़ को जल्दी से जल्दी यहाँ से हटाओ, पड़ोसी बोला। यह बोलकर पड़ोसी तो चला गया पर किसान परेशान हो गया, उसे डर लगने लगा कि कहीं इस पेड़ की वजह से उसके साथ कुछ अशुभ न हो जाए। अगले ही दिन उसने वो पेड़ काट डाला। पेड़ बड़ा था, उसकी कटी लकड़ियाँ पूरे बागीचे में जहाँ-तहाँ इकट्ठा हो गयीं। अगले दिन फिर वही पड़ोसी आया और बोला, ओहह्हो। इतने सुन्दर बागीचे में ये बेकार की लकड़ियाँ क्यों इकट्ठा कर रखी हैं ऐसा करो इन्हे मेरे अहाते में रखवा दो। लकड़ियाँ रखवा दी गयीं। किसान ने पड़ोसी की बातों में आकर पेड़ तो कटवा दिया, पर अब उसे एहसास होने लगा कि पड़ोसी ने लकड़ियों की लालच में आकर उससे ऐसा करवा दिया। दुखी मन से वह महान गुरु लाओ-त्जु के पास पहुंचा और पूरी बात बता दी। लाओ-त्जु मुस्कुराते हुए बोले, तुम्हारे पड़ोसी ने सच ही तो कहा था, वो पेड़ वास्तव में मनहूस था, तभी तो वो तुम्हारे जैसे मूर्ख के बागीचे में लगा था। यह सुन किसान का मन और भी भारी हो गया। उदास मत हो, लाओ-त्जु बोले, अच्छी बात ये है कि तुम अब पहले जैसे मूर्ख नहीं रहे तुमने पेड़ तो गँवा दिया पर उसके बदले में एक कीमती सबक सीख लिया है। जब तक तुम्हारी अपनी समझ किसी बात को ना स्वीकारे तब तक दुसरे की सलाह पर कोई कदम मत उठाना।

7 अंतर खोजें

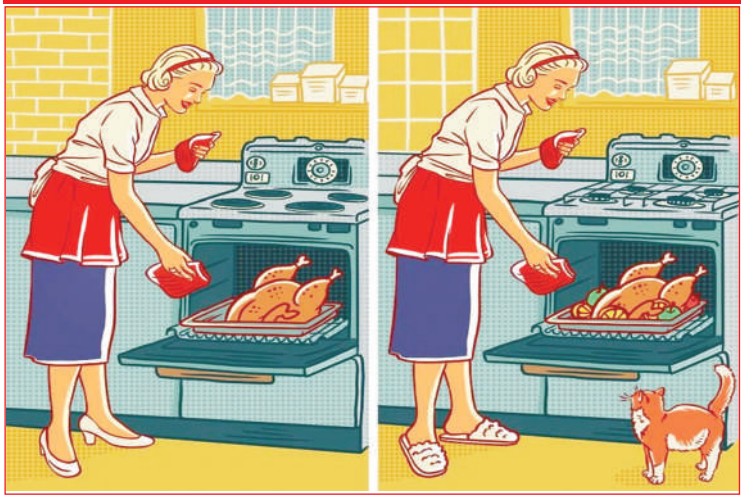

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कोई अच्छी खबर मिल सकती है। दूसरों को प्रभावित करने के लिए जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें। आपके निरंकुश व्यवहार के चलते पारिवारिक सदस्य खफा हो सकते हैं।

वृषभ आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज का दिन आपके लिए तरक्की लेकर आयेगा। किसी बड़े अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। लवमेट के लिए आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है।

मिथुन आज आपके पास खुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौके का ज्यादा उठाएं और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएं। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

कर्क आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कोई नया काम मिल सकता है। आज किसी को पैसा उधार देने से बचें। जरुरी कामों को आज दूसरों के भरोसे न छोड़ें। छोटे स्तर पर शुरु किया गया बिजनेस लाभकारी हो सकता है।

सिंह रचनात्मक शौक आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आपकी यथार्थवादी योजनाएं आपके धन को कम कर सकती हैं। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं।

कन्या आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। घर में बड़ों की सलाह से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। आज बदलते मौसम का पूरा लाभ उठायेंगे।

तुला आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे, लेकिन खर्च में इजाफा आपके लिए बचत को और ज्यादा मुश्किल बना देगा। संपत्ति को लेकर विवाद खड़े हो सकते हैं। संभव हो तो इसे ठण्डे दिमाग से सुलझाने की कोशिश करें।

वृश्चिक आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके घर पर मेहमान आ सकते हैं। आज मन की बात किसी से शेयर करने की इच्छा हो सकती है। पैसों के मामलों में किसी से मदद मिल सकती है।

धनु वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें।

मकर आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आज सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करें। घर वालों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। सेहत में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

कुम्भ आपकी व्यक्तिगत समस्याएं मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। कुछ जरूरी योजनाएं क्रियान्वित होंगी और ताजा आर्थिक मुनाफा पहुंचाएगी।

मीन आज आपका दिन समान्य रहेगा। आज कुछ नए मौके भी मिलेंगे, जो आपको आर्थिक लाभ करा सकते हैं। इस राशि के टीचरों के लिये आज का दिन मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला हो सकता है।

वेबसीरीज लुटेरे का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड | मसाला

हिंदी सिनेमा के सफल निर्देशक हंसल मेहता, लुटेरे वेब सीरीज के जरिये भी लोगों का मनोरंजन करने को तैयार हैं। इस वेब सीरीज का टीजर रिलीज कर दिया गया है। सर्वाइवल, लालच और डर को दिखाती इस वेब सीरीज की कहानी सोमलियाई समुद्री लुटेरों पर केंद्रित है। हंसल मेहता ने इसका टीजर अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। टीजर को अभी तक का रिस्पांस अच्छा मिला है। फैंस ने कमेंट किया वह इस वेब सीरीज को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। जानकारी के लिए बता दें कि यह शो डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगा। शो में रजत कपूर मुख्य में हैं। बता दें कि लुटेरे की कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित काल्पनिक थ्रिलर ड्रामा है। यह एक बड़े कमर्शियल भारतीय

जहाज की कहानी है, जिसे सोमालिया के तट से अपहरण कर लिया जाता है। यहीं से इसकी कहानी शुरू होती है। इसी थीम के ईद गिर्द घूमती वेब सीरीज की कहानी यह दिखाएगी कि उस जहाज पर सवार चालक के साथ क्या होता है। यह पहला शो है जो सोमालियाई समुद्री लुटेरों की समस्याओं को सामने लाएगा। शो की शूटिंग यूक्रेन, केप टाउन और दिल्ली में की गई है। लुटेरे के अलावा हंसल मेहता आरके यादव की बुक मिशन रॉ पर आधारित एक वेब सीरीज डायरेक्ट करेंगे। यह शो भारत की विदेशी खुफिया एजेंसी रॉ के पहले प्रमुख रामेश्वर नाथ काओ की यात्रा और उनकी जीवनी को दिखाएगा। इसके अलावा हंसल मेहता पॉपुलर वेब सीरीज स्कैम 1992 की आगामी सीरीज को भी जल्द ही दर्शकों के सामने लेकर आएंगे। स्कैम के नए सीजन में अब्दुल करीम तेलगी द्वारा स्टांप पेपर घोटाले को दिखाया जाएगा। अब्दुल करीम तेलगी को स्टांप पेपर घोटाले का मास्टरमाइंड कहा जाता था। यह देश के सबसे बड़े घोटालों में से एक है।

तारा सुतारिया के साथ दिखे मिस्ट्री मैन ने छिपाया चेहरा

तारा सुतारिया ने भले ही कम फिल्में की हों लेकिन सोशल मीडिया पर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। फिल्मों के साथ उनकी पर्सनल लाइफ के भी चर्चे रहते हैं। अब उनका एक वीडियो जिसमें तारा सुतारिया के साथ एक शख्स दिखाई दे रहा है। खास बात ये हैं कि वीडियो में ऐक्ट्रेस के साथ दिख रहा शख्स पैपराजी के कैमरे से बचने की कोशिश कर रहा है। लोग कयास लगा रहे हैं कि यह कौन हो सकता है और छिप क्यों रहा है। पैपराजी विरल भैयानी ने वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

वीडियो में ऐक्ट्रेस तारा सुतरिया एक रेस्ट्रॉन्ट से बाहर आते दिख रही हैं। तारा ने ब्लैक क्रॉप टॉप के साथ ब्लू डेनिम पहने रखी थी। तारा के बाल खुले थे और उनके लुक पर सूट कर

रहे थे। वीडियो में तारा के साथ एक मिस्ट्री मैन दिख रहा है। शख्स ने कैमरे से खुद को बचाने के लिए अपना चेहरा हूडी से ढंक रखा है। वीडियो को देखने के बाद लोग अलग अलग तरह के कयास लगाते दिख रहे हैं। कुछ लोग वीडियो में दिख रहे शख्स को कार्तिक आर्यन समझ रहे हैं तो कुछ को वह शख्स एक विलन 2 में तारा के को-स्टार रहे अर्जुन कपूर लग रहे हैं।

बॉलीवुड | मसाला

कई लोगों का मानना है कि यह मिस्ट्रीमैन आदर जैन हैं।

हाल ही में तारा सुतरिया फिल्म एक विलन 2 में आदित्य रॉय कपूर और अर्जुन कपूर के साथ नजर आई थीं। फिल्म एकता कपूर और भूषण कपूर के जॉइंट प्रोडक्शन में बनी थी। पर्सनल लाइफ की बात करें तो ऐक्ट्रेस तारा सुतरिया इन दिनों करिश्मा कपूर के कजिन आदर जैन को डेट कर रही हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

अनन्या पांडे से झगड़े के बाद दो हफ्ते तक नहीं बोले थे ईशान

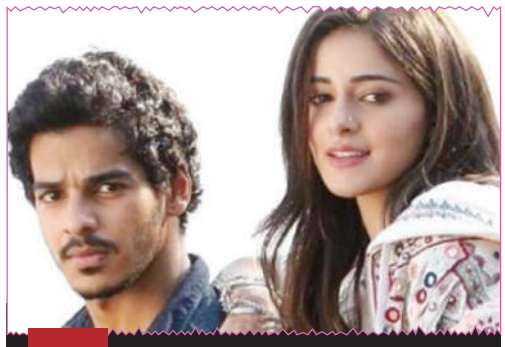

अनन्या पांडे और ईशान खट्टर का ब्रेकअप हो चुका है, ये खबरें सुर्खियों में थीं। अब कॉफी विद करण में आकर दोनों एक्टर्स ने इस बात पर मुहर लगा दी है। अनन्या करण जौहर के चैट शो पर आई थीं तो उन्होंने कहा था कि वह सिंगल हैं। अब ईशान खट्टर ने ब्रेकअप की बात कबूली है। उन्होंने अनन्या की काफी तारीफ की और जिंदगीभर उनका दोस्त बने रहने की इच्छा जताई। कॉफी विद करण सीजन 7 के लेटेस्ट एपिसोड में ईशान के साथ कटरीना कैफ और सिद्धांत चतुर्वेदी भी गेस्ट के रूप में मौजूद थे। कॉफी विद करण के होस्ट करण जौहर सिलेब्स से उनकी पर्सनल लाइफ के राज उगलवाने में माहिर हैं। उनके शो में इस बार शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर आए थे। करण ने ईशान से पूछा, तुमने अनन्या के साथ ब्रेकअप कर लिया? इस पर ईशान बोले, क्या ये सच है क्योंकि अनन्या वाले एपिसोड में करण ने अनन्या से कहा था कि उन्होंने ब्रेकअप कर लिया। ईशान बोलते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता है कि किसने किससे ब्रेकअप किया लेकिन ये बात कन्फर्म है कि वह सिंगल हैं। करण ने पूछा कि अनन्या के साथ अब उनका क्या स्टेटस है, इस पर ईशान बोले, मैं चाहता हूं कि वह पूरी जिंदगी मेरी दोस्त रहें। वह बहुत अच्छी हैं। वह वाकई बहुत स्वीट हैं, जो भी उनसे मिलेगा, वह इस बात को मानेगा। ईशान ने यह भी कहा कि वह मुझे बहुत प्यारी हैं और हमेशा रहेंगी। रैपिड फायर राउंड के दौरान ईशान ने यह भी खुलासा किया कि अनन्या से झगड़ा होने के बाद उन्होंने 2 हफ्ते उनसे बात नहीं की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनन्या और ईशान का रिलेशन 3 साल चला। इससे पहले कॉफी विद करण के बिंगो राउंड में अनन्या पांडे और विजय देवरकोंडा को ऐसे ऑप्शंस पर टिक करना था जो उन्होंने अपनी लाइफ में किए हों। इसमें एक ऑप्शन था, लव बाइट को कवर करने के लिए मेकअप किया है? इस पर अनन्या और विजय दोनों ने टिक किया। इसके बाद करण जौहर बोले वह भी कंसीलर से कवर करते हैं। अनन्या के मुताबिक डिपेंड करता है कि उनका लव बाइट कहां है।

इस पेड़ के नीचे खड़ा होने से जा सकती है किसी की भी जान

पेड़ की छांव हर किसी को पसंद होती है, जब भी हमें गर्मी लगती है या धूप लगती है तो हम सब चाहते हैं कोई पेड़ मिल जाए जिसकी छांव में कुछ देर बैठकर गर्मी से निजात पाई जाए. लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि हर पेड़ के नीचे खड़े होकर आपको राहत नहीं मिलती, बल्कि कुछ पेड़ ऐसे भी होते हैं जिनके नीचे खड़े होने पर आपकी जान भी जा सकती है। जी हां, आपने सही पढ़ा। क्योंकि आज हम आपको एक ऐसे ही पेड़ के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे

दुनिया का सबसे जहरीला पेड़ माना जाता है, जिसके नीचे खड़े होने भर से इंसान की जान जा सकती है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं दक्षिणी और उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में पाए जाने वाले एक पेड़ के बारे में, जिसे दुनिया का सबसे खतरनाक पेड़ माना जाता है। यह पेड़ देखने में तो सेब के पेड़ की तरह लगता है लेकिन ये बेहद जानलेवा होता है। इस पेड़ की ऊंचाई करीब 50 फुट होती है इस पेड़ को 'मेचेलीन' नाम से जाना जाता है। यही नहीं इस पेड़ के फल को 'मौत का सेब' कहा जाता है। बता दें कि इस पेड़ को दुनिया में सबसे जहरीले पेड़ के रूप में जाना जाता है और इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी इसीलिए शामिल किया गया है। इस पेड़ की सबसे खास बात ये है कि इस पर बिल्कुल सेब जैसे फल लगते हैं। जो खाने में भी बिल्कुल सेब के जैसे मीठे ही होते हैं। इस सेब को खाने वालों का कहना है कि खाते वक्त तो ये बिल्कुल सेब की तरह ही मीठे लगते हैं लेकिन थोड़ी देर बाद मिर्ची से भी तेज जलन होने लगती है। उसके बाद गले में सूजन आ जाती है, जिससे खाना निगलना तो दूर, सांस लेने में भी परेशानी होने लगती है। उसके बाद अंदरूनी अंगों से खून का रिसाव होने लगता है। यही नहीं, अगर इसका समय पर सही इलाज न मिले तो जान भी जा सकती है। सबसे हैरानी की बात तो ये है कि इस पेड़ का फल ही जानलेवा नहीं है, बल्कि पेड़ का हर सिस्सा जानलेवा होता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस पेड़ को छूना भी खतरनाक साबित हो सकता है। क्योंकि इसमें से एक दूधिया रंग का रस निकलता रहता है जिसके छूने से आपके शरीर पर छाले पड़ सकते है और अगर गलती से ये आंखों में चला जाए तो आंखों की रोशनी हमेशा हमेशा के लिए जा सकती है। बता दें कि ये पेड़ इतना खतरनाक है कि अगर बारिश के मौसम में कोई इस पेड़ के नीचे खड़ा हो जाए तब भी उसकी जान जा सकती है।

अजब-गजब | जनसंख्या के मामले में दुनिया का सबसे छोटा देश

ये है दुनिया का सबसे छोटा देश, जहां राष्ट्रपति खुद पर्यटकों के लिए बन जाते हैं गाइड

आपने दुनिया के तमाम देशों के बारे में सुना होगा, कोई दुनिया का सबसे बड़ा तो कोई सबसे छोटा देश होगा। आज हम आपको जिस देश के बारे में बताने जा रहे हैं वह यकीनन दुनिया का सबसे छोटा देश है। इस देश के बारे में कई बातें सचमुच अद्भुत हैं। जिन्हें जानकर यकीनन आप हैरान रह जाएंगे। ये देश जनसंख्या के मामले में भी दुनिया का सबसे छोटा देश माना जाता है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं अमेरिका के नवादा राज्य के पास स्थित एक देश के बारे में। जिसे मोलोसिया नाम से जाना जाता है।

पर्यटकों को खुद घुमाते हैं राष्ट्रपति

मोलोसिया आकार में ही नहीं बल्कि जनसंख्या के मामले में भी बेहद छोटा देश है। इस देश की सबसे हैरानी की बात तो ये है कि यहां पहुंचने वाले पर्यटकों को गाइड करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि इस देश के राष्ट्रपति खुद ही पर्यटकों के लिए गाइड का काम करते हैं। इस देश की जनसंख्या मात्र 33 है। इससे भी हैरानी की बात तो ये है कि इन 33 लोगों में उनके पालतू जानवर भी शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर भारत में तमाम ऐसे परिवार है जहां एक ही परिवार में इतने लोगों की संख्या होती है। इस देश ने इसी साल अपनी स्थापना के करीब 40 साल पूरे किए। हालांकि बहुत से देशों की सरकारों ने अब

तक इस मोलोसिया को देश की आधिकारिक मान्यता नहीं दी है।

1977 में अलग हुआ था ये देश

बता दें कि ये देश 26 मई 1977 को अलग हुआ था। तब केविन बौघ नाम के एक शख्स ने अपने एक दोस्त जेम्स स्पेलमैन के साथ मिलकर इस देश को अलग किया। हालांकि कुछ समय बाद जेम्स इस जगह को छोड़कर यूरोप में जाकर बस गए। मगर शुरुआत में इस देश के राष्ट्रपति रहे केविन ने खुद को देश का तानाशाह घोषित कर दिया। केविन की पत्नी को इस देश की पहली महिला होने का दर्जा हासिल है। यहां रहने वाले ज्यादातर नागरिक केविन के ही रिश्तेदार हैं। इस देश में अपनी कानून व्यवस्था है और खुद की वालोरा नाम की करेंसी भी है।

कई देशों से यहां घूमने पहुंचते हैं पर्यटक

बता दें कि इस देश के बारे में बारे में जानने और घूमने के लिए यहां हर साल तमाम पर्यटक आते हैं और अन्य देशों की तरह आने वाले पर्यटकों को अपने पासपोर्ट पर स्टेंप भी लगवानी पड़ती है और बैंक से करेंसी भी एक्सचेंज करनी पड़ती है।

बिहार में जनता का राज, समाज में अशांति फैला रही भाजपा : नीतीश

» दिल्ली में विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात के बाद पटना लौटे सीएम

» विपक्ष एकजुट होकर तय करेगा पीएम चेहरा, ममता से भी करेंगे मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भाजपा से नाता तोड़ राजद के साथ महागठबंधन की नई सरकार बनाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश में जंगलराज की वापसी के भाजपा के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि यहां जंगलराज नहीं जनता राज चल रहा है और भाजपा का एकमात्र काम समाज में अशांति पैदा करना है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणियों से सरकार प्रभावित नहीं होती है क्योंकि यह बिहार के लोगों के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। अगर सुशील मोदी या संजय जायसवाल मेरी आलोचना करते हैं तो उन्हें पार्टी या केंद्र सरकार में बड़े पद मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जिन लोगों से मुझे मिलना था उन सभी से मुलाकात हुई। राहुल गांधी से भी अच्छी बातचीत हुई। सोनिया गांधी अभी देश से बाहर हैं, वे जब दिल्ली आ जाएंगी तो हम उनसे मिलने जाएंगे। कांग्रेस के अलावा भाकपा, माकपा, भाकपा माले समेत अन्य पार्टियों के नेताओं से बात हुई। राजग से अलग होने का हमने जब निर्णय लिया तो अनेक दलों के नेताओं ने फोन किया था। सभी लोगों से अच्छी बातचीत हुई है। बिहार में सात पार्टियां एक साथ हो गई हैं और अब यहां विपक्ष में भाजपा अकेली पार्टी है। ममता बनर्जी से फोन पर बात हुई है। आगे जब बातचीत होगी तो हम मिलने जाएंगे।राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर नीतीश ने कहा, वह (राहुल गांधी) अपनी पार्टी के काम में लगे हैं, यह खुशी की बात है। वह अपने ढंग से काम कर रहे हैं। हमारी बातचीत लोक सभा चुनाव को लेकर हुई है। चुनाव के पहले विभिन्न राज्यों में लोग एकजुट होंगे तो बहुत अच्छा नतीजा आएगा। यह पूछे जाने पर कि 2024 के लोक सभा चुनाव में विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के तौर पर कौन चेहरा होगा। नीतीश ने कहा, सब एकजुट होकर तय करेंगे कि प्रधानमंत्री का चेहरा कौन होगा। हम प्रधानमंत्री पद का चेहरा नहीं हैं।

पीके का नीतीश पर तंज, बोले

12 महीने बीतने दें, फिर पूछेंगे कि कौन जानता है एबीसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके विपक्षी एकता के दावे पर निशाना साधा। उन्होंने भागलपुर में कहा कि बिहार में जो राजनीतिक घटनाक्रम है वह केवल राज्य विशिष्ट का मुद्दा है और मुझे नहीं लगता कि इससे राष्ट्रीय स्तर पर असर पड़ेगा। कथित तौर पर जो आदमी अभी विपक्ष में हैं वो दिल्ली जाकर दूसरे विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात करते हैं तो केवल मुलाकात करने से विपक्ष नए तरीके और रणनीति के साथ खड़ा हो रहा है, ऐसा मुझे नहीं लगता है।

» लोक सभा चुनाव के संदर्भ में नहीं दिख रहा कोई नाटकीय बदलाव

उन्होंने कहा कि मैंने कहीं ऐसी घोषणा नहीं देखी जिसमें सारे विपक्ष के नेता एक साथ बैठकर किसी चेहरे आदि की घोषणा की हो। अभी मुझे इस प्रयास में कुछ नई बात नहीं दिखती है। इससे पहले भी दिल्ली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तेलंगाना के सीएम भी केसीआर कई लोगों से मिल चुके हैं। हम कैसे मान लें कि विपक्ष कुछ नया कर रहा है? मुझे नहीं लगता कि यह 2024 के चुनावों से संबंधित कोई नाटकीय बदलाव लाएगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि 17 साल सीएम रहने के बाद नीतीश कुमार ने माना है कि 10 लाख नौकरियां दी जा सकती हैं। वह एक बड़े नेता हैं, उन्हें ए टू जेड सब कुछ पता है जबकि दूसरों को कुछ नहीं पता। 12 महीने बीतने दें, फिर हम भी पूछेंगे कि कौन एबीसी जानता है और कौन एक्सवाईजेड जानता है। इससे पहले प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी की थी कि 2025 के विधान सभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार का मौजूदा महागठबंधन टूट जाएगा। इस पर नीतीश ने कहा था कि उनको बिहार का एबीसी भी मालूम है?

रांची लौटे राज्यपाल, हेमंत की सदस्यता पर निर्णय का इंतजार

» सीएम सोरेन की विधायकी को लेकर सुनाना है फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस गुरुवार को दिल्ली से रांची लौट आए हैं। उनके रांची लौटने के बाद एक बार फिर सभी की नजरें राजभवन पर टिक गई हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि राज्यपाल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विधान सभा की सदस्यता रद्द करने के मामले में निर्वाचन आयोग की अनुशंसा पर कभी भी निर्णय ले सकते हैं।

राज्यपाल रमेश बैस रांची पहुंचने पर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से सीधे राजभवन चले गए। उन्होंने रांची एयरपोर्ट पर मीडिया से कोई बात नहीं की। राज्यपाल दो सितंबर को दिल्ली गए थे। उनके दिल्ली दौरे को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि वहां उनकी मुलाकात गृहमंत्री अमित शाह व भाजपा के अन्य बड़े नेताओं से हो सकती है। हालांकि, राजभवन की ओर से उनके किसी नेताओं से मुलाकात की पुष्टि नहीं की गई है। उनके दिल्ली जाने को लेकर सत्ता पक्ष लगातार राजभवन पर सवाल उठाता रहा है। साथ ही निर्वाचन आयोग की अनुशंसा का खुलासा करने की मांग कर रहा है।

भाजपा ने फिर घेरा केजरीवाल को

शराब घोटाले के स्टिंग वीडियो की जांच करे सीबीआई : त्रिवेदी

» कट्टर ईमानदार का दावा करने वाले की सच्चाई आ गई सामने

» दिल्ली के भाजपा विधायक एजेंसी को लिखेंगे पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि स्टिंग ऑपरेशन के वीडियो में शराब घोटाले की बेहद गंभीर सच्चाई सामने आई है। केजरीवाल सरकार को इसकी व्यापक जांच करानी चाहिए थी। उनके ऐसा न करने पर उन्हें सीबीआई से इसकी मांग करनी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल सत्ता में रहते हुए लोगों से भ्रष्टाचार का वीडियो बनाने की बात कहते थे, लेकिन आज जब स्वयं उनके मंत्रियों के विरुद्ध स्टिंग ऑपरेशन सामने आ चुका है, केजरीवाल उन पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। कट्टर ईमानदार होने का दावा करने वाले व्यक्ति की सच्चाई सामने आ गई है। केजरीवाल सरकार अपने आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं करेगी, लिहाजा सीबीआई को इस स्टिंग ऑपरेशन के वीडियो का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच करनी चाहिए। भाजपा के विधायक इस मामले में जांच एजेंसी को पत्र लिखेंगे।

कांग्रेस को मिलेगा भारत जोड़ो पदयात्रा का लाभ!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की भारत जोड़ो पदयात्रा शुरू हो गई है पर यूपी संभाल रही प्रियंका गांधी कहीं नजर नहीं आ रही हैं। यूपी का कांग्रेस अध्यक्ष पिछले चार महीने से तय नहीं हो पा रहा हैं। केंद्र में सरकार बनाने का सपना देख रही कांग्रेस को जब देश के सबसे बड़े सूबे में एक आदमी ऐसा नहीं मिला है जो अध्यक्ष बना सके तो जाहिर है कि ये सवाल उठेंगे ही कि प्रियंका गांधी कहां है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार डॉ. राकेश पाठक, अमिताभ श्रीवास्तव, सुशील दुबे, दिनेश के वोहरा और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

सुशील दुबे ने कहा कि कांग्रेस के अच्छे दिन शुरू हो रहे हैं अब। प्रियंका का उदय हुआ पर चमका नहीं तो कार्यकर्ता कन्फ्यूज हो गया। अब ये जो पदयात्रा निकल रही तो निर्णय एक का है। प्रियंका के नेतृत्व में कांग्रेस का वोट बैंक एक फीसदी रह गया।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अमिताभ श्रीवास्तव ने कहा, कहा जा रहा है कि प्रियंका को भारत जोड़ो यात्रा से अलग रखा गया है। वे कहां है ये बड़ा प्रश्न है। हां, भारत जोड़ो पदयात्रा का लाभ जरूर कांग्रेस को मिलेगा। राहुल गांधी कहीं न कहीं लहर ला रहे हैं। डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि प्रियंका गांधी चुनौती है, ऐसा कहना वाजिब नहीं। प्रियंका के खाते में विफलता लिखी हुई है। फ्री हैंड होने के बाद भी सफलता नहीं मिली तो ये प्रियंका को मंथन करना होगा। दिनेश के वोहरा ने कहा कि फौज में कमांडर एक ही होता है। दो के सहारे फौज कभी चलती नहीं। प्रियंका गांधी का बैक सीट लेना उचित है यहां पर।

पुरस्कार पाकर खिले मेधावियों के चेहरे

» परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्रों को कवि राजेश अरोरा शलभ ने किया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तारा अरोरा स्मारक समिति, लखनऊ की ओर से दिव्या शुक्ला द्वारा संचालित एनजीओ समर्थ फाउंडेशन के संसाधनविहीन एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को वर्ष 2022 की परीक्षाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर अवार्ड और प्रशस्ति पत्र देकर समिति के अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध कवि राजेश अरोरा शलभ ने सम्मानित किया। पुरस्कार पाकर मेधावियों के चेहरे खिल उठे।

गोमती नगर के सृजन विहार में चलाये जा रहे समर्थ फाउंडेशन द्वारा विभिन्न स्कूलों में पढ़ रहे कक्षा तीन से कक्षा दस तक के संसाधनविहीन बच्चों को निशुल्क कोचिंग दी जाती है। उन्हीं में से हाईस्कूल यूपी बोर्ड में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र या छात्रा को रु.5000/- का नकद पुरस्कार स्व. तारा अरोरा की स्मृति में दिया जाता है। शेष अन्य को 1000 का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

इस बार हाईस्कूल की सोनल शर्मा को तारा अरोरा स्मृति सम्मान, कक्षा नौ की शिवानी गौड़ को सुरेश अरोरा स्मृति सम्मान, कक्षा आठ की आंचल शर्मा को श्याम बिहारी स्मृति सम्मान, पुष्पा निषाद को सुभाष अरोरा स्मृति सम्मान दिया गया। इस मौके पर जरूरतमंद छात्र -छात्राओं व उनके अभिभावकों को पुराने वस्त्र भी दान दिए गये। कार्यक्रम में रंजना , दिव्या शुक्ला, प्रभा, पूनम धवन और कोचिंग के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे ।

तो क्या खत्म हो रहा राजकीय निर्माण निगम का वजूद!

50 करोड़ तक के निर्माण कार्य करने की बंदिश को खत्म करने का शासन स्तर पर भेजा गया प्रस्ताव लंबित

टेंडर के जरिए निजी कंपनियों को दिए जा रहे हर बड़े काम जबकि पूर्ववर्ती सरकारों में हजारों करोड़ के काम कर रहा था निगम

» देश-विदेश में नाम कमाने वाले निगम के इंजीनियरों की फौज हताश

चेतन गुप्ता

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

लखनऊ। प्रदेश सरकार की हठधर्मिता के चलते उत्तर प्रदेश का कभी गौरव रहा राजकीय निर्माण निगम आर्थिक रूप से लगातार कमजोर हो रहा है। राजधानी लखनऊ में लोक भवन, हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग बनाने समेत देश-विदेश में भवन निर्माण के क्षेत्र में बेहतरीन काम कर सुर्खियां बटोरने वाला उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम (यूपीआरएनएन) वर्तमान में अपना वजूद खोता जा रहा है। प्रदेश सरकार के एक गलत फैसले ने निगम की माली हालत खराब करके रख दी है। 2019 में 50 करोड़ तक के काम करने की बंदिश ने यूपीआरएनएन का बंटाधार कर दिया है। निगम की बदहाल आर्थिक स्थिति को एक बार फिर से पटरी पर लाने के लिए 50 करोड़ की बंदिश को खत्म करने का शासन स्तर पर प्रस्ताव दिया गया है, जिस पर फैसला अभी पेंडिंग है।

उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के बारे में जानकर हैरानी होगी कि इसके पास अपने 1200 इंजीनियरों की फौज है जो भवन निर्माण के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल किए हुए है। इन इंजीनियरों ने अपने हुनर के दम पर भारत ही नहीं, विदेशों तक में निगम का नाम रोशन किया है। लोकभवन, हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग, अंबेडकर पार्क, कांशीराम स्मारक, बहुखंडीय मंत्री आवास, वीवीआईपी गेस्ट हाउस, मंडी परिषद, पिकअप भवन, 100 डायल बिल्डिंग समेत सिर्फ लखनऊ में ऐसे तमाम निर्माण है जो निगम की बुलंदियों की कहानी बयां करते है। हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग की खूबसूरती को लेकर उद्घाटन अवसर पर तत्कालीन चीफ जस्टिस ने यहां तक कहा था कि अगर ये बिल्डिंग दिल्ली में होती तो सुप्रीम कोर्ट इसी में शिफ्ट कर लेते। 90 के दशक में नेपाल के भटेटा में हॉस्पिटल का निर्माण रहा हो या फिर पूर्व में लीबिया में निर्माण कार्य, सब जगह यूपीआरएनएन ने अपना जलवा बिखेरा। निगम अपने खर्चे अपने काम की बदौलत खुद निकालता था। उसे न तो किसी की मदद की जरूरत थी और न ही वो कभी सरकार पर निर्भर रहा। लेकिन योगी सरकार पार्ट वन में 13 दिसम्बर 2019 में एक फैसले ने इसकी बदकिस्मती की इबारत लिख दी। हजारों करोड़ का काम करने वाले निगम को 50 करोड़ की लक्ष्मण रेखा से बांध दिया गया, मतलब 50 करोड़ से उपर के काम पीडब्ल्यूडी करेगा उससे नीचे का काम यूपीआरएनएन। इस गलत फैसले का असर ये हुआ कि 2016-17 में 5 हजार 8 सौ करोड़ का सालाना काम करने वाले निगम का कामकाज 2021-22 में 3800 करोड़ तक आ सिमटा। जिससे निगम की आय पर इतना ज्यादा फर्क पड़ गया कि उसके अपने खर्चे तक निकालना मुश्किल हो रहा है। निगम को आय के रूप में मिलने वाले 12 फीसदी सेन्टेज चार्ज से खर्चे निकालना मुश्किल हो रहा है। यही हाल रहा तो अगले कुछ सालों में अन्य निगमों की तरह यूपीआरएनएन भी घाटे में चला जाएगा। 2003 में निगम के पास 4600 कर्मचारी थे जिसमें 2600 सेवानिवृत्त हो चुके है लेकिन उनके सापेक्ष आज तक भर्तियां नहीं हुई। अब जो 50 करोड़ से कम के काम मिल रहे हैं, उसको भी टेंडर के जरिए दूसरों से कराया जा रहा है। यहां के इंजीनियर सिर्फ सुपरविजन का काम देख रहे हैं।

हाथ से निकल गए प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज

पूर्ववर्ती अखिलेश सरकार में यूपीआरएनएन को 15 मेडिकल कालेजों को बनाए जाने का काम मिला था। लेकिन 2019-20 में योगी सरकार के 50 करोड़ की बंदिश के फैसले से ये मेडिकल कॉलेज निगम के हाथ से निकल गए। पीडब्ल्यूडी को मेडिकल कालेज बनाने के लिए दिए गए लेकिन तय समय सीमा के बाद भी वो नहीं बन सके और तो और निर्माण लागत भी बढ़ गई। उसके पीछे का कारण है कि पीडब्ल्यूडी सड़क निर्माण में विशेज्ञता रखता है न कि भवन निर्माण में। खुद उसके इंजीनियर इस बात को मानते है लेकिन सरकार के आदेश की न फरमानी कोई करना नहीं चाहता। हजारों करोड़ के काम के लिए पीडब्ल्यूडी टेंडर निकालता है जिसमें देश-विदेश की कंपनियां शामिल होती है। इससे यूपी का श्रमिक वर्ग भी अपने लाभ से वंचित हो रहा है। बदले परिवेश में यूपीआरएनएन भी बड़े कामों में टेंडर डालता है लेकिन सरकारी विभाग होने के कारण निजी कंपनियों का मुकाबला नहीं कर पा रहा है।

“ 1975 में गठित निगम की पूरे देश में 140 इकाईयां थी। जो सिमटकर 80 के करीब रह गई है। इसे 60 करने की तैयारी है। देश-विदेश में अपनी काबिलियत के दम पर डंका बजवाने वाले यूपीआरएनएन को यूपीपीसीएल, आवास विकास परिषद, पुलिस आवास निगम, कंस्ट्रक्शन एंड डिजायन सर्विसेज समेत अन्य छोटे निगमों की कतार में लाकर खड़ा कर दिया है। आने वाले समय में अन्य निगमों की तरह यूपीआरएनएन भी कंगाली के दौर से गुजरने को मजबूर होगा।

एसडी द्विवेदी, महामंत्री, डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ

“ 50 करोड़ की बंदिश समाप्त करने संबंधी प्रस्ताव शासन स्तर लंबित है। रिमाइंडर भी भेजा गया है। लोक निर्माण विभाग उच्चतर कार्यदायी संस्था है। लेकिन भवन निर्माण में यूपीआरएनएन की विषेज्ञता है। इस बात से शासन में बैठे आला अफसरों को अवगत कराया गया है। अपर मुख्य सचिव ने प्रस्ताव पर विचार करने का आश्वासन दिया है।

संजय तिवारी, प्रबंध निदेशक, उ.प्र.राजकीय निर्माण निगम

एमपी चुनाव से तीन माह पहले कांग्रेस जारी करेगी वचन पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। विधानसभा चुनाव से तीन माह पहले कांग्रेस वचन पत्र (घोषणा पत्र) जारी करेगी। इसमें किसान, युवा, कर्मचारी, महिला व कानून व्यवस्था से जुड़े मुद्दों सहित अन्य कई मुद्दे शामिल किए जाएंगे। वचन पत्र राज्य और जिला स्तर पर जारी होंगे। इसमें शामिल किए जाने वाले विषयों को जनता की राय लेकर पार्टी अंतिम रूप देगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में समिति के सदस्यों को जिलों का प्रभार देने का निर्णय लिया गया।

बैठक में समिति के अध्यक्ष डा.राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वचन पत्र को लेकर काम प्रारंभ हो गया है। संभाग और जिला स्तर पर आमजन से इसमें शामिल किए जाने वाले विषयों को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमने सरकार में रहते हुए वचन पत्र पर काम शुरू कर दिया था। किसानों की ऋण माफी प्रारंभ कर दी थी लेकिन भाजपा सरकार ने उसे रोक दिया। इसे सरकार में आने पर पूरा कराया जाएगा। कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग कर रहे हैं, यह विषय भी हमारी प्राथमिकता में रहेगा। प्रदेश में सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या 30 लाख से अधिक है। ऐसे में उनके लिए निवेश को बढ़ावा देकर नए अवसर बनाए जाएंगे।

मन की बात कुछ सालों में बन जाएगी मन की व्यथा: ममता

» बंगाल की मुख्यमंत्री ने विपक्षी एकता का किया आह्वान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी एकता का आह्वान किया है। ममता बनर्जी ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए खेला होबे अभियान का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ मिलकर हम भाजपा को सत्ता से बाहर कर देंगे।

उन्होंने कहा कि हम सब साथ आकर भाजपा को 100 सीटों पर समेट देंगे। सीएम बनर्जी ने खेला होबे का नारा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में दिया था, जिसमें भाजपा को हार मिली थी। ममता बनर्जी ने 2023 के ग्रामीण चुनावों के लिए टीएमसी की तैयारी बैठक में घोषणा करते हुए कहा नीतीश जी, अखिलेश और हेमंत, हम सब साथ हैं। राजनीति एक युद्ध का मैदान है। हमने 34 साल तक लड़ाई लड़ी है। उन्होंने पीएम मोदी

का नाम लिए बिना कहा भाजपा को अपनी 275-300 सीटों पर गर्व है। लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि राजीव गांधी के पास अगले आम चुनाव (1989 में) हारने से पहले 400 लोकसभा सीटें थीं। मन की बात कुछ सालों में मन की व्यथा बन जाएगी। उन्होंने सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि हमें भाजपा की एजेंसियां नहीं, हमें नौकरी चाहिए। टीएमसी के कम से कम तीन प्रमुख नामों- पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी, राज्य के कानून मंत्री मोलोय घटक और पार्टी नेता अनुब्रत मंडल से जुड़े मामलों की जांच कर रही ईडी और सीबीआई की ओर इशारा करते हुए, ममता ने कहा कि कभी झुकेंगे नहीं। वे जिसे चाहें गिरफ्तार कर लें, हमें परवाह नहीं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।